Dr. AMAR KRISHNA
(Dept. of Economics)
SKAP College, Barachakia

(5)

Que. Discuss the different stages of economic Development as Explained by Rostow

Ans. द्वितीय विश्वयुद्ध काल में विश्व शान्ति, समृद्धि और सम्पूर्ण मानवता के हित में विकासशील देशों की आर्थिक विकास की गति तेज करने के लिए कई विकासवादी अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास में अपने Models तथा विकास के विभिन्न चरणों की व्याख्या की है। आर्थिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं की ऐसे विश्लेषणों में एक मौलिक विश्लेषण Prof. W.W. Rostow की भी है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक "The Stage of Economic growth" में आर्थिक विकास को पाँच प्रमुख अवस्थाओं में विभक्त कर अपना विश्लेषण दिया है।

(1) परम्परागत समाज की अवस्था :→

Rostow के ही शब्दों में- "परम्परागत समाज से तात्पर्य एक ऐसे समाज से है जिसकी संरचना का विकास न्यूटन से पूर्व के वैज्ञानिक तकनीकी तथा भौतिक जगत के प्रति न्यूटन से पूर्व के दृष्टिकोण पर आधारित सीमित फलनों की सीमाओं के अन्तर्गत होता है" इसलिए परम्परागत समाज का मूल तत्व प्रति व्यक्ति प्राप्त उत्पादन के स्तर की एक अंतिम सीमा का स्थिर रहना है। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से चीन में राजवंश, मध्यपूर्व की सभ्यता, मध्य यूरोप का विश्व आदि को विकास के इस चरण में Rostow ने सम्मिलित किया है। भारत के आदिवासियों की जीवन पद्धतियों को हम आज भी इस चरण में रख सकते हैं।

[illegible]

(2) आत्म-स्फूर्ति से पूर्व की स्थिति →

आर्थिक विकास की यह अवस्था संक्रमण काल के नाम से जाना जाता है। Rostow के अनुसार, जिसमें विकास के आवश्यक घटक जैसे श्रम पूँजी और कच्चे माल आदि एकत्र किए जाते हैं। तकनीकी ज्ञान को विकसित किया जाता है। उत्पादन एवं प्रगति के विभिन्न साधनों की स्थिति में सुधार और वृद्धि के फलस्वरूप आत्म-स्फूर्ति की अवस्था को प्राप्त करने के लिए अनुकूल पृष्ठ-भूमि का निर्माण हो जाता है। Prof. Rostow के अनुसार यह अवस्था यूरोप में 17 वीं शताब्दी के अंतिम एवं 18 वीं शताब्दी के प्रारम्भिक काल में प्रारम्भ हुई। भारत और चीन अपने नियोजित आर्थिक विकास काल में 1950 ई० के बाद इस चरण में पहुँचे। इस तरह, परम्परागत समाज एक निष्क्रीय अवस्था है, वहीं संक्रमण कालीन समाज एक सक्रीय अवस्था है।

(3) आत्म-स्फूर्ति की अवस्था →

Rostow के विश्लेषण में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण धारणा Take off stage की है। यह वह अवस्था है जब अर्थव्यवस्था आर्थिक विकास के लिए स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर हो जाती है। Prof Rostow के अनुसार, "The take off stage is the interval when the old blocks and resistances of growth are finally over come. The forces making for economic progress which yield limited blocks and enclaves

of modern activity expand and came to dominate the society growth becomes as it were into its habits.

Kindal Burger ने take off को और भी अधिक स्पष्ट करते हुए कहा है कि यह प्रगति की एक ऐसी अवस्था है जिसमें विकास की रुकावट दूर हो जाती है, विकास की दर को चक्रवृद्धि नियम के बढ़ाने हेतु विनियोजन की दर 5% से बढ़कर 10% से अधिक हो जाती है, अर्थव्यवस्था कुछ भागों में कुशलनिर्भर होने लगती है भारतीय योजना आयोग के अनुसार take off stage का अर्थ होता है :- "To acheive the self generating self sustaining Economic stage."

(4) परिपक्वता की अवस्था :→

Rostow के अनुसार, "आत्म-स्फूर्ति की अवस्था प्राप्त करने के बाद अर्थव्यवस्था या परिपक्वता की अवस्था की ओर अग्रसर होने लगती है जब समाज अपने अधिकांश साधनों में आधुनिक तकनीक को प्रभावपूर्ण ढंग से अपना लेती है"

उनके ही अनुसार कोई भी समाज take off stage प्राप्त करने के लिए 60 वर्ष के बाद परिपक्वता की अवस्था प्राप्त करता है। लेकिन इस अवधि के लिए कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। उनके अनुसार, England 1850, U.S.A 1900, Germany 1910, France 1910, Sweden 1930, Japan 1940, Russia 1950, Canada 1950 में परिपक्वता की अवस्था प्राप्त कर चुका है।

(5) अत्यधिक उपभोग की अवस्था :->

यह परिपक्वता की अवस्था प्राप्त होने के बाद आती है, यह अवधि अधिक लम्बा नहीं होता। मनुष्य इस काल में विश्व से जन्म लेने के मूल्य और उससे सम्बन्धित अपने स्थान को समझने लगते हैं। टिकाऊ, उपभोगी वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन बढ़ जाता है। मोटरकारों और घरेलू जीवन से सम्बन्धित अन्य उपकरण का प्रयोग काफी बढ़ जाता है। समाज का ध्यान उत्पादन से हटकर उपभोग अर्थात लोगों के भौतिक कल्याण पर केन्द्रित हो जाता है। प्रसिद्ध Noble Prizer Winner American Economist Prof. Golbraith ने अपनी उत्तम "The Affluent Society" में इस अवस्था की स्थिति का विश्लेषण किया है।

इस तरह हम देखते हैं कि Prof. Rostow ने विभिन्न अवस्थाओं में बाँटकर आर्थिक विकास का अध्ययन किया है जो अत्यन्त ही महत्वपूर्ण मायने रखती है।